>

Title : Need for effective implementation of the ban imposed on the sale of Chinese toys in India.

श्री शैलेन्द्र कुमार : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक अति लोकमहत्व का प्रश्न इस सदन के सामने रखना चाहता हूं।

आज पूरे हिंदुस्तान में चीन के बने हुए खिलौने बेचे जा रहे हैं। अभी हाल ही में भारत सरकार ने इस पर रोक लगाई है। इन खिलौनों में ज्यैंदातर पहिए वाले सामान हैं, गुड़िया, बंदूक, लकड़ी और धातु के मेल से बनी हुए इलेक्ट्रानिक ट्रेन्स आदि हैं, जिन पर रसायनिक लेड और कैडमियम का लेप है, जिनके कारण बच्चों में अनेक प्रकार की बीमारियां और स्किन डिजीजेज हो रही हैं। अब हिंदुस्तान में इन खिलौनों पर पाबंदी तो लगी है, लेकिन उन पर से मेड इन चाइना शब्द को हटाकर मेड इन यूएई या मेड एज चाइना लगाकर बेचा जा रहा है। यह बहुत ही नुकसानदायक है और इसे अविलंब बंद करना चाहिए। आज भारतवर्ष में करीब 250 करोड़ रूपए के खिलौनों का व्यापार होता है। 1,500 करोड़ रूपए के खिलौने चीन से सीधे नेपाल के रास्ते भारत में ऐंते हैं, जिस पर तुंत रोक लगाई जाए अन्यथा बच्चों में बहुत सी डिजीजेज होंगी।

दूसरी बैंत यह है कि दिल्ली के खिलौना कारोबारी हैं, खासकर श्री गगन गुलशन और ट्वाएज मैनुफैक्चरर्स एशोसिएशन के अध्यक्ष श्री राज कुमार ने इस पर पाबंदी लगाने का स्वागत किया है। इसलिए जरूरी है कि इस पर प्रतिबंध लगाया जाए। आज हमारे बच्चों में वैसे भी खून की कमी है, उनको सही मात्रा में प्रोटीन नहीं मिल पा रहा है, जिसके ा।लए हमारी सरकार मिड डे मिल योजना लागू करके अच्छे भोजन देने की व्यवस्था कर रही है। बच्चे जो हमारे देश के भावी कर्णाधार हैं, जिनके कंधों पर हमारे देश का भविष्य है, कम से कम उनके स्वास्थ्य में सुधार आए। इसलिए जरूरत इस बैंत की है कि इन खिलौनों को जो चीन से ऐंते हैं, जिन पर तरह-तरह के रसायनों का लेप होता है जिनसे तमाम बीमारियां हो रही हैं, को तत्काल भारत सरकार गंभीरता से लेते हुए रोक लगाए अन्यथा आने वाले समय में उन बच्चों में अगर डिजीज हो जाएगी, तो आप समझ लीजिए कि हमारी आने वाली पीढ़ी ज्यैंदातर बीमार ही रहेगी। इसलिए आपसे निवेदन है कि इसको गंभीरता से लेते हुए आपके माध्यम से सरकार की ओर से जवाब आना चाहिए और जो भी खिलौने हैं, उनको आईएसआई मार्क या अन्य तरीकों से जांच कराकर देखा जाए कि इन खिलौनों को मेड इन चाइना का लेबल हटाकर मेड इन यूएई का लेबल लगाकर नहीं बेचा जाए। केवल प्रतिबंध लगाने से हमारी समस्या का हल नहीं होगा। इसलिए मैं चाहूंगा कि आप सरकार को इंगित करें कि ऐसे हानिकारक खिलौने जो हमारे देश के बच्चों, नौनिहालों को ा।दए जा रहे हैं, जिनसे बहुत ज्यादा नुकसान होगा, उन पर सरकार पाबंदी लगाए तभी हमारे देश के भावी कर्णधार, बच्चों का स्वास्थ्य और भविष्य बन सकेगा। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बैंत समाप्त करता हूं

श्री मोहन सिंह (देवरिया) : महोदय, माननीय सदस्य ने बहुत सही बैंत सदन के सामने उठाई है कि सरकार ने तो प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन सरेआम बाजार में ये खिलौने बिक रहे हैं, जो बच्चों के स्वास्थ्य के बिल्कुल प्रतिकूल हैं। मैं यह चाहता हूं कि सरकार केवल प्रतिबंध लगाकर अपने काम की इतिश्री न करे, बल्कि उसके ऊपर कड़ी कार्यवाही करे और सभी राज्य सरकारों को इस बैंत का निर्देश दे कि भारत सरकार ने जो पाबंदी लगाई है, उसके अनुसार ऐसे खिलौने बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो, उनकी दुकानों पर छापे पड़े और उनको जेल भेजने का काम किया जाए अन्यथा इतने बड़े पैमाने पर भारत में ये खिलौने आ गए हैं और बच्चे उनको खरीदकर दमे के मरीज बन रहे हैं, उनको सांस की बीमारी हो रही है, बहुतों के हार्ट में छेंद हो रहा है, यह आम बैंत हो रही है। इसीलिए भारत सरकार ने इसके ऊपर पाबंदी लगाई, लेकिन उस पर अमल नहीं हो रहा है। मैं आपके माध्यम से निवेदन करूंगा कि भारत सरकार सभी राज्य सरकारों को यह निर्देश भेजे कि भारत सरकार के निर्देश के अनुसार इस पर राज्य स्तर पर कड़ी कार्रवाई हो।[R21]

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House shall now take up item no. 23, Shri Subhash Sureshchandra Deshmukh to introduce a Bill.

Shri Subhash Sureshchandra Deshmukh -- Not present.

Shri Mohan Singh.